अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के इतिहास विभाग द्वारा जलियांवाला बाग़ हत्याकांड-
स्मृति दिवस पर डॉक्यूमेंटरी का प्रदर्शन

आज दिनांक 13-04-2022 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के इतिहास विभाग द्वारा जलियांवाला बाग़ हत्याकांड- स्मृति दिवस पर एक डॉक्यूमेंटरी विद्यार्थियों को दिखाई गई व विद्यार्थियों ने इस बर्बर नरसंहार पर अपने विचार भी प्रकट किए। कार्यक्रम का आयोजन अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० कृष्ण कांत गुप्ता जी की सद्प्रेरणा से हुआ। डॉक्यूमेंटरी का विषय-**"जलियांवाला बाग़ हत्याकांड -कारण, इतिहास व तथ्य"** रहा। इस डॉक्यूमेंटरी को इतिहास विभाग के लगभग 117 छात्र-छात्राओं ने देखा व इससे जुड़े इतिहास के महत्त्वपूर्ण तथ्यों को जाना। सर्वप्रथम अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० कृष्ण कांत गुप्ता जी ने कहा कि 13 अप्रैल 1919 भारतीय इतिहास का वो काला दिन है जिस दिन ये अमानवीय घटना घटी। प्राचार्य महोदय ने कहा कि जलियांवाला बाग़ हत्याकांड निर्दोष और निहत्थे जन समूह पर जनरल डायर की बर्बरता की कहानी है और इसलिए ये इतिहास का सबसे क्रूर नरसंहार माना जाता है। तत्पश्चात इतिहास विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम के संयोजक डॉ० जयपाल सिंह ने विद्यार्थियों को इस हत्याकांड का विस्तारपूर्वक वर्णन दिया। डॉ० जयपाल सिंह ने बताया कि पंजाब के अमृतसर में स्थित जलियांवाला बाग में एक विशाल जनसमूह 13 अप्रैल 1919 को काले कानून रौलट एक्ट का विरोध करने को एकत्रित हुआ था। वह रविवार का दिन था और आसपास के गांव से भारी संख्या में किसान वैशाखी मनाने अमृतसर आए हुए थे। जनरल डायर ने बिना किसी चेतावनी के सैनिकों को निहत्थे और निर्दोष भीड़ पर गोलियां चलाने का आदेश दे दिया। चीखते-चिल्लाते,आतंकित भागते, बच्चों, महिलाओं, बूढ़ों की भीड़ पर कुछ ही मिनटों में 1650 राउंड गोलियां दाग दी जिसमें से कई लोग तो गोलियों से मारे गए तो कोई अपनी जान बचाने की कोशिश करने में लगे भगदड़ में कुचल कर मारे गए। जान बचाने के लिए बहुत से लोगों ने पार्क में मौजूद कुएं में छलांग लगा दी और दीवारों पर आज भी बुलेट के निशान देखे जा सकते हैं। बी०ए० तृतीय वर्ष की छात्रा सिमरन, रुचि व नीतू ने जलियांवाला बाग़ हत्याकांड पर मार्मिक कविता सुनाई व छात्रों ने इस क्रूर हत्याकांड पर अपने विचार भी प्रकट किए। अंत

में विद्यार्थियों ने दो मिनट का मौन रख शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इतिहास विभाग की डॉ० सुप्रिया ढांडा ने सभी का धन्यवाद किया।